आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-15, भोपाल, सोमवार, 8 से 14 मई 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी बोलेः इंदिरा गांधी सबसे स्वीकार्य प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इंदिरा गांधी को लोकतांत्रिक देश की अब तक की सबसे स्वीकार्य प्रधानमंत्री बताते हुए उनकी निर्णायक क्षमता को याद किया। मुखर्जी ने कांग्रेस पार्टी नेतृत्व को सांगठनिक मामलों में तेजी से निर्णय लेने का परोक्ष संदेश देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री के काम करने के निणार्यक तरीके को याद किया, जिस कारण 1978 में कांग्रेस में दूसरा विभाजन होने के कुछ महीने बाद ही राज्य चुनावों में पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की। राष्ट्रपति ने विशिष्ट अतिथियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा कि वह 20वीं सदी की महत्वपूर्ण हस्ती थीं। और भारत के लोगों के लिए अभी भी वह सर्वाधिक स्वीकार्य शासक या प्रधानमंत्री हैं। मुखर्जी ने अतीत को याद करते हुए कहा, 1977 में कांग्रेस हार गयी थी। मैं उस समय कनिष्ठ मंत्री था। उन्होंने मुझसे कहा था कि प्रणब, हार से हतोत्साहित मत हो। यह काम करने का वक्त है और उन्होंने काम किया। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी, उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी मंच पर मौजूद थे। मुखर्जी ने इस अवसर पर इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन और कार्यों पर एक पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने अंसारी द्वारा विमोचित इंडियाज इंदिरा – ए सेंटेनियल ट्रिब्यूट की पहली प्रति ग्रहण की। कांग्रेस इंदिरा गांधी की शताब्दी जयंती मना रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा द्वारा संपादित इस पुस्तक में इंदिरा गांधी के कार्यों और उनके जीवन की घटनाओं का संकलन है तथा इसकी प्रस्तावना सोनिया गांधी ने लिखी है जो खराब स्वास्थ्य के कारण इस कार्यक्रम में शमिल नहीं हो सकीं।

राहुल गांधी ने सोनिया गांधी की ओर से उनका भाषण पढ़ा। भाषण में कहा गया, मैने इंदिरा गांधी में देशभक्ति का जो जज्बा देखा वह श्रेष्ठ था जो उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम से आत्मसात किया था। सोनिया ने कहा कि इंदिरा गांधी एक मित्र और सलाहकार थीं और अपनी इच्छाएं मेरे उपर नहीं थोपें, इसको लेकर वह बेहद सतर्क थीं। राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से कहा, इंदिरा गांधी पद, जाति और संप्रदाय जैसे भेदभाव को नापसंद करती थीं। उनके पास दंभ या आडंबर के लिए कोई वक्त नहीं था। वह पाखंड अथवा धोखेबाजी को तत्काल पहचान जाती थीं। उन्हें भारतीय होने का गर्व था, साथ ही वह वृहद एंव सहिष्णु विचारों वाली एक वैश्विक नागरिक थीं।

प्रणब ने बताए इंदिरा के नेतृत्व क्षमता के गुण कांग्रेस में 1978 में दूसरे विभाजन को याद करते हुए राष्ट्रपति मुखर्जी ने कहा कि इंदिरा गांधी को दो जनवरी 1978 को पार्टी का अध्यक्ष चुना गया और 20 जनवरी तक कुछ दिनों के अंदर उन्होंने कार्य समिति के गठन को पूरा कर लिया, संसदीय बोर्ड, पीसीसी और एआईसीसी का गठन किया और पार्टी को महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कनार्टक, असम और नेफा विधानसभा चुनावों का सामना करने के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा कि इसके तुरंत बाद उनके नेतृत्व में पार्टी ने आंध्रप्रदेश और कनार्टक में दो तिहाई बहुमत से जीत दर्ज की और महाराष्ट्र में अपनी पार्टी को सबसे बड़ी पार्टी बनाया, जहां पार्टी ने कांग्रेस से अलग हो चुके धड़े के साथ मिलकर सरकार बनाई। राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति के अपने सबसे खराब वक्त में इंदिराजी अपने आप को ज्यादा कामों में लगाए रखतीं थीं। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा देश हित में लिए गए अनेक कठोर निर्णयों को भी याद किया। मुखर्जी ने स्वर्ण मंदिर को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए उनके निर्णय का खास तौर पर जिक्र किया।

सत्येंद्र जैन ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल के साढू के लिए करवाया जमीन का सौदाः कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से निलंबित विधायक और दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के बर्खास्त मंत्री कपिल मिश्रा, अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हजारों पन्नों के साथ मीडिया के सामने आए. अनशन के पांचवें दिन कपिल मिश्रा ने कहा कि इनकी जानकारियों का अंदाजा कुछ लोगों को होगा. उन्होंने करोड़ों के लेन देन के बारे में ब्योरा रखा. उन्होंने बताया कि किस प्रकार फर्जी कंपनियों से लेन देन किया गया. कैसे सैकड़ों की संख्या में फर्जी कंपनियों से पार्टी को फंड दिया गया और पार्टी ने इसकी जानकारी चुनाव आयोग और आयकर विभाग से छिपाई. उन्होंने कहा कि यही वजह है कि पांच लोगों की विदेश यात्राओं के बारे में पार्टी जानकारी नहीं दे रही है. यह सारा खेल हवाला का है और कालाधन को सफेद करने का है.

मिश्रा ने कहा कि देश के साथ धोखा हुआ है. उन्होंने कहा कि इस अनशन को जबरजस्ती ने तुड़वाया जाए. उन्होंने यह मांग गृहमंत्री, एलजी और दिल्ली पुलिस से की. कपिल मिश्रा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने देश की जनता से चंदा को लेकर धोखा दिया. नकली कंपनियों का नेटवर्क तैयार किया गया. कालेधन के सफेद किया गया. मिश्रा का आरोप है कि इसमें अरविंद केजरीवाल के निजी लोग शामिल हैं. आज इस बात को लेकर सीबीआई में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी. उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर धोखा दिया गया. नील नाम के एक शख्स का परिचय कराने के बाद उन्होंने कहाकि इन्होंने यह कागज एकत्र किए हैं.

मीडिया से बात करते हुए मिश्रा ने अरविंद केजरीवाल का एक वीडियो दिखाया. इसमें अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि हमने किसी से गलत पैसा नहीं लिया. नहीं तो सरकार बनने के बाद ऐहसान चुकाना पड़ता है. वे कह रहे हैं कि पार्टी चलाने के लिए पैसा चाहिए. सरकार बनने के बाद उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए पैसा चाहिए. उन्होंने कहा कि गलत लोगों से गलत पैसा लेने के बाद उनके लिए काम करना पड़ता है.

मिश्रा ने कहा कि 2013-14 को पार्टी के अकाउंट में जो पैसा था उसका हिसाब कितान चनाव आयोग से छिपाया गया. जो अकाउंट में पैसा था उसकी डिटेल भी पार्टी की वेबसाइट पर नहीं दी गई. उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी सच नहीं बताया गया. तीन साल के बाद आयकर विभाग के नोटिस में इन्होंने चुनाव आयोग को अमाउंट बदलकर जवाब दिया. 2015-16 में बैंक में 65 करोड़ से ज्यादा पैसा था, लेकिन चुनाव आयोग को बताया गया 32 करोड़ का हिसाब किताब. और वेबसाइट पर भी अलग अमाउंट डाले गए. कई बोगस एंट्री की गई. उन्होंने कहा कि कई चुनाव आयोग से लगातार तीन साल तक जानकारी छिपाई गईं. साथ ही कहा कि आयकर विभाग से सभी बातें छिपाई गईं.

कई बोगस कंपनियों को आयकर विभाग ने पकड़ा. दो करोड़ का हिसाब किताब विभाग ने पकड़ा जिसे अरविंद केजरीवाल ने नकार दिया. उन्होंने कहा कि उनके पास इसकी जानकारी नहीं है. कोई भी चंदा दे सकता है. मेरे अकाउंट में कौन पैसा डाल रहा है उसके बारे में मैं क्या कह सकता हूं. (मिश्रा के अनुसार) उन्होंने कई कंपनियों के नाम लेकर आरोप लगाया कि इन फर्जी कंपनियों का रिश्ता अरविंद केजरीवाल से हैं या फिर उनके करीबियों की हैं. उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को इन सारी बातों की जानकारी थीं. करीब 16 फर्जी कंपनियों से लेन देन किए गए हैं. उन्होंने कुछ ऐसे आदमियों के नाम भी लिए जिनके नाम से चंदा दिए गया. इनमें कई के खाते उसी एक्सिस बैंक की शाखा से हैं जहां नोटबंदी के दौरान छापा मारा गया था. ये कृष्णानगर ब्रांच का किस्सा है. उन्होंने कहा कि अधिकतर चंदे रात के 12 बजे के करीब आए. यहां पर कालाधन के सफेद करने का काम किया गया।

OBOR में पाक समेत 29 देशों ने लिया हिस्सा, भारत बोला- संप्रभुता का उल्लंघन करने वाली परियोजना स्वीकार नहीं

नई दिल्ली। बीजिंग7 रविवार से बीजिंग में से शुरू हो रहे चीन के ''बेल्ट एंड रोड फोरम'' (बीआरएफ) का भारत बहिष्कार करेगा. इस तरह के स्पष्ट संकेत वाला एक आधिकारिक बयान शनिवार देर रात जारी किया जिसमें कहा गया है कि भारत ऐसी परियोजना को स्वीकार नहीं कर सकता जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करता हो. भारत की 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे' (सीपीईसी) पर गहरी आपत्ति है. सीपीईसी चीन की विशिष्ट 'बेल्ट एंड रोड' पहल (बीआरआई) की महत्वपूर्ण परियोजना है. दो दिवसीय बैठक में इस परियोजना के प्रमुखता से उठने की संभावना है. सीपीईसी गिलगिट और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के बालटिस्तान से होकर गुजरता है. भारत पीओके सहित समूचे जम्मू कश्मीर राज्य को अपना अखंड हिस्सा मानता है.

चीन की राजधानी में फोरम की बैठक शुरू होने के कुछ घंटे पहले सख्त शब्दों वाले बयान में भारत ने कहा है कि संपर्क पहल इस तरह की होनी चाहिए जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करे. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले ने एक बयान में कहा, ''मामले में अपने सैद्धांतिक रुख से निर्देशित, हम चीन से उसकी संपर्क पहल 'वन बेल्ट वन रोड' पर उपयोगी वार्ता में भागीदारी का आग्रह करते हैं, जिसका नाम बाद में 'बेल्ट एंड रोड' पहल किया गया. हम चीन की तरफ से सकारात्मक जवाब का इंतजार कर रहे हैं.''

उन्होंने कहा, ''बीआरआई-ओबीओआर की महत्वपूर्ण परियोजना के तौर पर पेश किए जा रहे कथित 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' के संबंध में अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत के रूख से अच्छी तरह अवगत है. कोई भी देश ऐसी परियोजना स्वीकार नहीं सकता जो संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर उसकी मूल चिंताओं को दरकिनार करे.''

LoC पर लगातार चौथे दिन PAK ने किया सीजफायर का उल्लंघन, भारत ने भी दिया जवाब

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने एलओसी पर रविवार को लगातार चौथे दिन सीजफायर का उल्लंघन किया. शनिवार को नौशेरा सेक्टर के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने के बाद पाकिस्तान की ओर से रविवार को राजौरी के चिती बकरी इलाके में गोलीबारी की गई. जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान की ओर से छोटे हथियारों के जरिए पहले अंधाधुंध फायरिंग की गई. भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी सेना को जवाब दिया. पाकिस्तान द्वारा राजौरी के मंजाकोटे इलाके के सात गांवों को निशाना बनाया गया है. पाकिस्तान की ओर से 82 एमएम और 120 एमएम मोर्टार से फायरिंग की जा रही है. 13 मई को नौशेरा में पाक गोलाबारी के दौरान दो नागरिकों की मौत हो गई थी और 13 नागरिक व कई रेंजर घायल हुए थे. नौशेरा में पाक गोलाबारी के खौफ में सैकड़ों लोगों ने राहत कैंपों में पनाह ली है. कई गांवों को खाली कराया गया और लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया. सीमा पार के हालात को देखते हुए इलाके के स्कूल- कॉलेजों को भी बंद कर दिया गया है. शुक्रवार 12 मई को भी पाकिस्तानी सेना ने जम्मू के अरनिया इलाके में सीजफायर तोड़ा था. सीमापार फायरिंग में बीएसएफ का जवान घायल हो गया था. इसके बाद बीएसएफ ने भी जवाबी कार्रवाई की थी।

जम्मू-कश्मीरः आतंक को घाटी के युवाओं का ठेंगा,

श्रीनगर। अलगाववादी भले ही कश्मीरी नौजवानों के हाथ में सिर्फ पत्थर देखकर ही खुश हों लेकिन अपनी सरजमीं की हिफाजत की चाह रखने वाले कश्मीर युवाओं की भी कमी नहीं है. इसकी मिसाल राज्य में चल रही पुलिस भर्ती में देखने को मिल रही है. महकमे में सब-इंस्पेक्टर की 698 रिक्तियों के लिए 67,218 कश्मीरी नौजवानों ने अर्जी दी है. शनिवार को श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में करीब 2 हजार लड़के और लड़कियां भर्ती की प्रक्रिया में शामिल होने पहुंचे. ये सभी भर्ती के लिए जरूरी फिजिकल टेस्ट देने आए थे. खाकी वर्दी के लिए जोश के मामले में कश्मीर के युवा जम्मू के नौजवानों को भी मात दे रहे हैं।

हर साल 20 प्रतिशत बढ़ रही विदेश जाने वालों की संख्या

एयर इंडिया जल्द शुरू करेगी इंदौर-शारजाह फ्लाइट

इंदौर। शहर से विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या में हर साल 20 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। इसे देखते हुए सरकारी विमान कंपनी एयर इंडिया इंदौर से शारजाह के लिए सीधी उड़ान शुरू करेगी। एयरपोर्ट सलाहकार समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में यह जानकारी एयर इंडिया के अधिकारियों ने दी। सूत्रों के मुताबिक पिछले दिनों एयर इंडिया ने अपने स्तर पर शहर के प्रमुख ट्रेवल्स एजेंट से जानकारी मांगी थी कि शहर में विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या कितनी है। इसमें मिले सकारात्मक परिणामों को देखते हुए नई फ्लाइट शुरू करने की तैयारी की जा रही है। बैठक में लोकसभा स्पीकर ने एयरपोर्ट प्रबंधन को एकेवीएन और चेंबर्स ऑफ कॉमर्स के साथ मिलकर अन्य इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने के लिए सर्वे करने का कहा है।

और बढ़ सकते हैं यात्री : इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन केसदस्य हेमेन्द्रसिंह जादौन ने बताया कि दो-तीन साल में शहर से विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। लोग छुट्टियों के साथ-साथ अब बिजनेस टूर के लिए भी विदेश जा रहे हैं, लेकिन अभी सीधी फ्लाइट उपलब्ध नहीं है। यात्रियों को पहले मुंबई-दिल्ली भेजना पड़ता है। वहां से वे इंटनेशनल फ्लाइट पकड़ते हैं। शहर से ही यह सुविधा होने पर यात्रियों की संख्या में और इजाफा हो सकता है।

अब वीजा के लिए हर माह लगेंगे कैंप : जादौन ने बताया कि पहले वीजा औपचारिकताओं के लिए यात्रियों को दिल्ली और मुंबई जाना होता था, लेकिन अब इसके लिए शहर में ही कैंप लग रहे हैं। विजय नगर स्थित ट्रेवल्स पर ही यूरोप और यूके लिए पिछले एक साल में 20 से अधिक कैंप लग चुके हैं। इनमें 900 से अधिक लोग वीजा क्लियर करवा चुके हैं। अब हर माह कैंप लगाने की तैयारी है।

यहां जाते हैं सबसे ज्यादा यात्री : जादौन के मुताबिक पहले अधिकांश लोग यूरोप के लिए जाते थे, लेकिन अब नार्वे, स्वीडन, डेनमार्क, दक्षिण अफ्रीका आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया आदि देश जाना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा थाईलैंड, सिंगापुर, दुबई, मकाऊ, बैकांक तो पूरे साल जाना चाहते हैं। बिजनेस के लिए जर्मनी और चीन जाने वालों की संख्या भी बढ़ी है।

उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कॉलेजों से मांगी अतिथि शिक्षकों की जानकारी

इंदौर। उच्च शिक्षा विभाग ने सरकारी कॉलेजों से उनके यहां पदस्थ अतिथि शिक्षकों की जानकारी 20 बिंदुओं में बुलवाई है। कॉलेजों में पिछले साल नियुक्त हुए अतिथि शिक्षकों का मानदेय होना बाकी है। विभाग ने इसे लेकर सप्ताहभर में फॉर्मेट भरकर वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। उसके बाद ही इन्हें मानदेय की राशि दी जाएगी। विभाग ने मानदेय को लेकर नया फॉर्मेट वेबसाइट पर जारी किया है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि नए सत्र से भी यही फॉर्मेट लागू किया जाएगा। इसके आधार पर ही शिक्षकों के बारे में बताना है। यह निर्देश प्रदेशभर के सभी सरकारी कॉलेजों को दिए गए हैं।

दस्तावेजों और चित्रों के माध्यम से दिखा इंदौर शहर का 300 साल का सफर

इंदौर। पिंडारियों के हमले से लोगों को बचाने के लिए पेशवा बाजीराव भलाट को राजा राव नंदलाल मंडलोई ने पत्र लिखा था। इन दोनों के मित्र थे सवाई राजा जयसिंह। उन्होंने ही मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। उस समय पेशवा बुरहानपुर में थे और उन्होंने अपने सूबेदार मल्हारराव होलकर को पिंडारियों से निपटने के लिए भेजा। इसके साथ ही होलकरों का आगमन भी इंदौर में हुआ। शहर के 300 साल के इतिहास की जानकारियों को विभिन्न दस्तावेज, पत्र और चित्रों के माध्यम से शुक्रवार को प्रदर्शित किया गया है।

सोशल मीडिया में आतंकवादी और एड्स का 'डर' वायरल

इंदौर। इंदौर ही नहीं, वरन प्रदेश के सोशल मीडिया पर अब नए तरह का डर फैला हुआ है। लोगों को एड्स के नाम पर डराकर लुटेरों से सावधान किया जा रहा है। यह डर वॉट्सएप और फेसबुक पर कायम है और इसे काफी वायरल किया जा चुका है। साथ ही ऐसे लोगों से सावधान भी किया जा रहा है, जो घरों में घुसकर वारदात कर देते हैं। फेसबुक और वॉट्सएप के ग्रुप पर एक मैसेज चल रहा है, जिसमें कहा जा रहा है कि कुछ लड़के और लड़कियों का एक ग्रुप लोगों के घरों में आता है। वो खुद को मेडिकल कॉलेज से जुड़ा बताते हैं और आपको शुगर का, बीपी का या कोई अन्य ब्लड टेस्ट फ्री में करने के लिए बोलते हैं। ऐसे लोग यदि आपके इलाके में आएं तो आप तुरंत पुलिस को सूचना दें, क्योंकि वे कोई मेडिकल स्टूडेंट्स नहीं, बल्कि आतंकवादी संगठन के लोग हैं।

इनके इंजेक्शन में एड्स का वायरस होता है, जो ब्लड लेने के बहाने आपके शरीर में डाल देते हैं। किसी अनजान व्यक्ति को घर में ना घुसने दें। इस पूरे मैसेज को चलाने वाला कोई खास व्यक्ति तो सामने नहीं आया है, लेकिन जिस किसी को भी ये मैसेज मिल रहा है और एहतियातन आगे बढ़ा देता है। लोगों को लग रहा है कि ये जरूरी है। कुछ लोगों का कहना है कि मैसेज किसी भी तरह का है, लेकिन लोग जागरूक हो रहे हैं और ऐसे में बिना जान-पहचान वाले को घर में घुसने भी नहीं दिया जा रहा है। एहतियात जरूरी पर अफवाह न फैलाएं : लोगों को बदमाशों और गैंग से आगाह करने और जागरूक करने के लिए मैसेज चलते हैं वे ठीक हैं, लेकिन अफवाह फैलाने वाले मैसेज गलत होते हैं।

आग उगल रहा सूरज, 42.3 डिग्री पहुंचा पारा

इंदौर। सूरज आग उगलने पर आमादा है। शनिवार को इस साल की गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए दिन का तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। उधर, रात को भी तापमान 27 डिग्री था। उमस और चिपचिपी गर्मी से लोग परेशान हो रहे हैं। मई महीने में पहली बार तापमान ने 42 डिग्री तापमान पार किया है। सुबह से रात तक लोग गर्मी से बचने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं, जो नकाफी हैं। 18 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री और 11 मई को 41.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। लू की लपटें सुई की तरह शरीर को भेद रही हैं। दोपहर में तपती धूप के कारण सड़क पर सन्नाटा छा गया। देर शाम तक गर्म हवा के थपेड़े कम नहीं हुए। मौसमविदों का अनुमान है कि अभी तापमान और बढ़ सकता है। इस समय कोई सिस्टम भी सक्रिय नहीं है, लेकिन वातावरण में नमी बहुत ज्यादा बढ़ने से बादल छाने की संभावना है।

41 डिग्री है औसत तापमान : इंदौर में औसत अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस है। यह भी 25 मई तक का है। इसके बाद वातावरण में नमी आने लगती है और प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होने लगती हैं।

एक नजर में... * अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस, * न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस, * बीते साल (19 मई) अधिकतम तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस।

खबरें

ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन ने पर्यावरण संरक्षण, उत्तम स्वास्थ्य और ऊर्जा की बचत हेतु सायकल चलाने का संकल्प दिलाया

दुग्ध संघ की सत्ता पर बंटी भाजपाई राजनीति, कांग्रेस भी दावेदार, हार के डर से चुनाव से परहेज

इंदौर। इंदौर दुग्ध संघ की सत्ता पर काबिज होने के नाम पर भाजपाई राजनीति बंट गई है। अध्यक्ष पद के एक से अधिक दावेदार होने से पार्टी को अंदेशा है कि यदि चुनाव हुए तो कांग्रेस उम्मीदवार भी काबिज हो सकता है। संघ के 10 डायरेक्टरों में से कांग्रेस के तीन डायरेक्टर हैं, लेकिन चुनाव हुआ तो भाजपा समर्थित दो डायरेक्टर कांग्रेस के पाले में जा सकते हैं। भाजपा के आला नेता नहीं चाहते कि संचालकों के बीच की खटास से दूध की राजनीति दो फाड़ हो जाए। नाजुक हालात में आलाकमान चुनाव को टालने के मूड में है। ऐसे में संभावना बन रही है कि दुग्ध संघ के बोर्ड का बचा हुआ कार्यकाल बिना अध्यक्ष के ही गुजरेगा।

दुग्ध संघ के सभी संचालक पिछले महीने सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग से मिले। इसके बाद भी चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ती नजर नहीं आ रही है। इससे जाहिर है कि पार्टी में दूध की राजनीति पर आए उबाल पर बड़े नेता अपने हाथ जलाना नहीं चाहते। गौरतलब है कि दुग्ध संघ के संचालक और भाजपा नेता उमरावसिंह मौर्य को अध्यक्ष पद से हटाने के बाद नए अध्यक्ष का चुनाव होना है। संचालक मंडल में इस समय 10 संचालक हैं। इनमें भाजपा के 7 संचालक हैं, जिनमें मौर्य के अलावा घनश्याम पाटिल, महेश पटेल, सुभाषचंद्र मांडगे, कमलसिंह रघुवंशी, राजाराम सोलंकी और सुमित्रा नरेंद्र गोदेन शामिल हैं। दूसरी ओर कांग्रेस समर्थित 3 संचालक हैं। इनमें मोतीसिंह पटेल, तंवरसिंह चौहान और रामेश्वर गुर्जर शामिल हैं। दरअसल, सहकारिता अधिनियम के तहत लगातार तीसरी बार कोई संचालक अध्यक्ष पद पर नहीं रह सकता इस कारण हाई कोर्ट के आदेश पर मौर्य को हटाया गया था। ऐसे में नए अध्यक्ष के लिए वे दावेदारी से बाहर हैं। बोर्ड का सात-आठ महीने का कार्यकाल बाकी है। पिछले महीने भाजपा और कांग्रेस समर्थित सभी संचालक चुनाव को लेकर सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग से मिलने भोपाल गए थे। वहां भाजपा की ओर से अध्यक्ष पद के लिए तीन संचालकों महेश पटेल, पाटिल और मांडगे ने दावेदारी जताई थी। वरिष्ठता और लगातार दूसरी बार संचालक बनने के कारण पाटिल की दावेदारी अधिक मजबूत मानी जा रही है, लेकिन पटेल को मौर्य खेमे का समर्थन होने से यहां भाजपा दो धड़ों में बंटी हुई है। भाजपा में फूट के कारण कांग्रेसी खेमा भी अध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल है। यहां तंवरसिंह दावेदारी पेश कर रहे हैं। उनके साथ भाजपा समर्थित दो डायरेक्टर जा सकते हैं। हवा का रुख भांपने के बाद चुनाव का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया है।

छोटे उद्योगों को सप्लाय टेंडर के लिए जमा नहीं करना होगी अर्नेस्ट मनी

इंदौर। छोटे उद्योगों को टेंडर प्रक्रिया में बड़ी राहत मिल गई है। सरकारी खरीद-सप्लाय में भाग लेने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को अब अर्नेस्ट मनी जमा नहीं करना होगी। उद्योग संगठन की मांग पर सहमति देते हुए शासन ने इस बारे में औपचारिक आदेश जारी कर दिया है। प्रदेश के 45 हजार उद्योगों को इससे सीधा फायदा मिलेगा।

प्रदेश के उद्योगों का प्रतिनिधि संगठन एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मप्र (एआईएमपी) करीब डेढ़ साल से सरकार से इस बारे में मांग कर रहा था। एसोसिएशन के अध्यक्ष ओपी धूत के मुताबिक सरकारी विभागों की टेंडर प्रक्रिया में टेंडर की कुल राशि का दस प्रतिशत अर्नेस्ट मनी के तौर पर जमा करना होता है। छोटे-मध्यम उद्योग जिनका कुल पूंजी निवेश ज्यादा नहीं होता, उनके लिए अर्नेस्ट मनी की व्यवस्था बोझ बन जाती है। ऐसे में बड़े उद्योगों और ठेकेदार से वे प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते हैं। वे सरकार से लगातार मांग कर रहे थे कि मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने और छोटे उद्योगों को आगे बढ़ने का अवसर देने के लिए इन पर अर्नेस्ट मनी का बंधन खत्म होना चाहिए। बीते वर्ष सूक्ष्म लघु उद्योगों के लिए अलग से मंत्रालय बनने के बाद यह मांग पूरी होने की उम्मीद बंध गई थी। अब शासन ने लिखित सूचना भेजकर छूट की घोषणा कर दी है। ये हैं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग एआईएमपी के मुताबिक प्रदेश में कुल 45 हजार उद्योग सूक्ष्म, लघु और मध्यम की श्रेणी में पंजीकृत हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दिये रणनीति बनाने के निर्देश

स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण का जन आंदोलन बनेगा

भोपाल। प्रदेश में स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण का जन-आंदोलन बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज इस संबंध में बैठक में स्व-सहायता समूहों के सुदृढ़ीकरण के लिये रणनीति बनाने के निर्देश दिये। प्रदेश में वर्तमान में दो लाख से अधिक सक्रिय स्व-सहायता समूह है। बैठक में मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में कहा कि स्व-सहायता समूहों के कार्य के लिये नये क्षेत्रों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुये रणनीति बनाये। स्व-सहायता समूहों के सुदृढीकरण के लिये मिशन मोड में काम करें। इसके लिये लक्ष्य तय करे और रोड मेप बनाये।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत एक लाख 79 हजार, महिला-बाल विकास के तहत 17 हजार तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के तहत 12 हजार स्व-सहायता समूह सक्रिय है। आजीविका मिशन के तहत अनूपपुर, बैतूल और होशंगाबाद जिलों में स्व-सहायता समूहों द्वारा बेहतर कार्य किया गया है। स्व-सहायता समूहों के लिये वस्त्र निर्माण और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। महिला-बाल विकास विभाग की तेजस्विनी योजना के तहत 6 जिलों में स्व-सहायता समूहों द्वारा 11 हाट बाजारों का संचालन किया जा रहा है। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री आर.एस.जुलानिया, प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास श्री जे.एन.कन्सोटिया, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री अशोक वर्णवाल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विवेक अग्रवाल तथा आजीविका मिशन के संचालक श्री एल.एम. बेलवाल उपस्थित थे।

सामाजिक सौहार्द-समरसता कार्यक्रम के सदभावना भोज में शामिल हुए मुख्यमंत्री

सीहोर जिले की नसरूल्लागंज तहसील के नजदीक स्थित ग्राम रूजनखेडी में भीलट देव तथा भान देव बाबा के स्थान पर प्रतिवर्ष होने वाले बंधेज कार्यक्रम पर जिला अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक सौहार्द-समरसता सम्मेलन तथा सदभावना भोज का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शामिल होकर जांगडा समाज की विभिन्न माँगों के निराकरण के लिये आश्वस्त किया तथा समाज बँधुओं के साथ भोजन का आनंद लिया।

घोषणाओं का समय-सीमा में पालन सुनिश्चित किया जाये

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभिन्न अवसरों पर की गयी घोषणाओं का परीक्षण कर उन्हें समय-सीमा में पूरा करने की कार्य-योजना बनायी जाये। साथ ही उनका फालोअप भी सुनिश्चित किया जाये। श्री चौहान आज मंत्रालय में घोषणाओं की विभागवार समीक्षा कर रहे थे। इस मौके पर मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि विधायकों द्वारा वन-टू-वन में हुयी चर्चा में मिले माँग पत्रों पर की गयी कार्रवाई की सूचना उन्हें पत्र के माध्यम से दी जाये। इस दौरान उन्होंने कहा कि वनाधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त दावों का एक बार पुनः सघन परीक्षण किया जाये। इससे पात्र वनवासियों को वनाधिकार-पत्र सौपे जा सके। बताया गया कि प्रदेश में ढाई लाख दावे मान्य किये गये। इनमें 2 लाख 41 हजार लोगों को वनाधिकार-पत्र वितरित किये गये।

प्रदेश के सभी ग्रामों को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जायेगा

भोपाल। प्रदेश के सभी ग्रामों को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जायेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस संबंध में कार्य-योजना बनाने के निर्देश आज यहाँ सम्पन्न बैठक में दिये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के हर ग्राम को बारहमासी सड़क से जोड़ने का कार्य आगामी एक नवम्बर से शुरू किया जाये। कार्य-योजना में पाँच सौ से अधिक आबादी वाले ग्रामों, दो सौ पचास से पाँच सौ तक की आबादी वाले तथा सौ से दो सौ पचास तक की आबादी वाले ग्रामों को शामिल किया जाये। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 53 हजार ग्रामों में से कुल 2,617 गाँव बारहमासी सड़क से नहीं जुड़े हैं। इसमें पाँच सौ से अधिक आबादी वाले 522 ग्राम है तथा शेष गाँव पाँच सौ कम आबादी के हैं। इन कार्यों को ग्रामीण विकास की योजनाओं में किया जायेगा। बैठक में मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री ए.पी. श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री आर.एस. जुलानिया, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री अशोक वर्णवाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यावरण

नर्मदा नदी में न्यूनतम जल प्रवाह के लिये कानूनी प्रावधान किया जायेगा

नर्मदा सेवा कार्य-योजना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जारी करेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नर्मदा सेवा की कार्य-योजना आगामी 15 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जारी की जायेगी। नर्मदा नदी में न्यूनतम जल के प्रवाह के लिये कानूनी प्रावधान किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज यहाँ नदी, जल और पर्यावरण संरक्षण मंथन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार, जल-पर्यावरण विशेषज्ञ जल पुरूष डॉ. राजेन्द्र सिंह, नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल के न्यायिक सदस्य श्री दलीप सिंह, मुख्य सचिव श्री बी.पी.सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब प्रदेश में कम पानी में ज्यादा सिंचाई के लिये ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम को बढ़ावा दिया जायेगा और नहरों से सिंचाई व्यवस्था को समाप्त किया जायेगा। प्रदेश की हर पंचायत में कम से कम एक जल संरचना बनाई जायेगी। नर्मदा तट के सभी निकायों की भागीदारी के लिये उनके द्वारा सीवरेज को नर्मदा में नहीं जाने का प्रस्ताव किया जायेगा। पंचायतों का सुदृढ़ीकरण किया जायेगा जिससे वो जलग्रहण क्षेत्र का प्रबंधन और सीवरेज का उपचार स्वयं कर सकें। नर्मदा तटों के संरक्षण और उन्हें कटाव से बचाने के लिये वृक्षारोपण के अलावा उपयुक्त घास और झाड़ियाँ भी लगायी जायेंगी। नर्मदा बेसिन में सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्र बनाये जायेंगे, जिनमें प्रोत्साहन योग्य, नियंत्रण योग्य और प्रतिबंधित गतिविधियों के लिये स्पष्ट प्रावधान होंगे। नर्मदा नदी के क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन कर सीमा निर्धारित की जायेगी। कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिये बेसलाइन डाटा तैयार किया जायेगा।

ईको टूरिज्म और नदी पर्यटन को बढ़ावा दिया जायेगा। वैज्ञानिक तरीके से वैध उत्खनन का नियमन किया जायेगा। उद्योगों और स्थानीय निकाय से दूषित सामग्री का जीरो डिस्चार्ज नदी में हो इसकी नीति बनायी जायेगी। जैविक खेती के क्षेत्रफल को बढ़ाया जायेगा। जैविक खाद पर भी अनुदान दिया जायेगा। जैविक खाद का मानकीकरण किया जायेगा। नर्मदा घाटों पर शांत क्षेत्र और मेडिटेशन क्षेत्र बनाये जायेंगे। सभी प्रदूषण स्त्रोतों की जीआईएस मेपिंग की जायेगी। रिवर ज़ोन और फ्लड ज़ोन चिन्हित किये जायेंगे। अमरकंटक क्षेत्र में कोई उत्खनन नहीं होगा। नर्मदा किनारों के मास्टर प्लान में नदी संरक्षण का ध्यान रखा जायेगा। नर्मदा नदी को जीवित इकाई का दर्जा देने वाले अधिनियम के क्रियान्वयन के लिये समिति बनाई जायेगी।

कार्यशाला में विभिन्न समूहों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया। नर्मदा सेवा मिशन की कार्य-योजना और क्रियान्वयन की नीतियों पर विचार के लिये गठित समूहों का प्रस्तुतिकरण अपर मुख्य सचिव श्री आर.एस.जुलानिया ने दिया। इस समूह ने नर्मदा नदी के तटों पर नैसर्गिक प्रजातियों का रोपण करने, जल के उपयोग की दक्षता पर काम करने, रसायनिक खाद के उपयोग को कम करने, वैज्ञानिक आधार पर उत्खनन नीति बनाने और नदी, जल संरक्षण के बारे में बच्चों को जागरूक करने का सुझाव दिया। नर्मदा नदी के संदर्भ में पर्यावरण संरक्षण और खाद्य सुरक्षा विषय पर गठित समूह का प्रस्तुतिकरण प्रमुख सचिव कृषि डॉ. राजेश राजौरा ने दिया। इस समूह ने जल गुणवत्ता की सतत निगरानी और मॉनीटरिंग करने, विकास योजना में नदी संरक्षण के कार्यों को शामिल करने, प्राकृतिक जैविक खेती को प्रोत्साहन देने और समुदाय के माध्यम से वाटर बजटिंग करने के सुझाव दिये।

नर्मदा सेवा मिशन की वर्तमान व्यवस्था, प्रचलित अधिनियमों के संबंध में सुझाव और समाज की भूमिका के संबंध में गठित समूह का प्रस्तुतिकरण प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर श्री मनोज श्रीवास्तव ने दिया। इस समूह ने नर्मदा नदी प्रणाली के लिये एक विशेष अधिनियम बनाने, नर्मदा लोकपाल की स्थापना, नर्मदा की सहायक नदियों को भी जीवित इकाई का भी दर्जा देने, नर्मदा निधि की स्थापना करने, नर्मदा तट पर शांति क्षेत्र और मेडिटेशन क्षेत्र स्थापित करने के सुझाव दिये।

नर्मदा तथा उसकी सहायक नदियों के संरक्षण और संवर्धन की वर्तमान स्थिति पर गठित समूह का प्रस्तुतिकरण अपर मुख्य सचिव श्री रजनीश वैश ने दिया। इस समूह ने प्रदूषण के स्त्रोतों की जीआईएस मैपिंग करने, बायो डायवर्सिटी और सामाजिक सर्वेक्षण करने, खनन प्रबंधन करने, औद्योगिक निस्तार और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन करने के सुझाव दिये। नर्मदा नदी पर निर्भर अर्थ तंत्र और नदी के संसाधनों के उपयोग की वर्तमान स्थिति पर गठित समूह का प्रस्तुतिकरण श्री ए.के.गोसाई ने दिया। इस समूह ने नदी की इकोलॉजिकल सेवाओं की महत्ता की गणना करने, नदी की आर्थिक सेवाओं के प्रभाव का आकलन करने, नदी पर उत्खनन के प्रभावों, नदी से सिंचाई की दक्षता का आकलन करने के सुझाव दिये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में श्री अमृतलाल बैगड़ की नर्मदा यात्रा पर केन्द्रित फिल्म और बायो-डायवर्सिटी बोर्ड की दो फिल्म का विमोचन किया। उन्होंने विश्व जल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के प्रतिवेदन का लोकार्पण भी किया।भविष्य में नदी, जल और पर्यावरण संरक्षण की रणनीति और समाधान के लिये हुए मंथन में अन्य ख्यातनाम विभूतियों में दिल्ली विश्वविद्यालय के जल विशेषज्ञ डॉ. शशांक शेखर, कांउसिल हिन्दी डॉट इंडिया वाटर पोर्टल की सुश्री मीनाक्षी अरोरा, गंगा अभियान के श्री हेमंत ध्यानी, आई.आई.टी. दिल्ली के प्रोफेसर ए.के.गोसाई, इन्टेक नई दिल्ली के श्री मनु भटनागर, वन्य-जीव, वन विशेषज्ञ श्री मनोज मिश्रा, बिहार के भागलपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के श्री सुनील चौधरी, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. एस.डी. अत्री, मौसम विशेषज्ञ श्री अजित त्यागी, पारंपरिक जल एवं पर्यावरण स्त्रोत विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह, जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास विशेषज्ञ श्री सुनील चतुर्वेदी ने रणनीति निर्माण, संरक्षण संबंधी समस्याओं, विभिन्न विषयों पर होने वाली समूह चर्चाओं में भाग लिया ।

सम्पादकीय

प्रदेश का औद्योगिक विकास फास्ट ट्रेक पर

आज प्रदेश का औद्योगिक विकास फास्ट-ट्रेक पर है। उद्योग और निवेश को लेकर नई नीतियाँ बनाई गई हैं। प्रदेश सरकार ने स्व-रोजगार स्थापित करने में आने वाली चुनौतियों को भी समझा है। सरकार अलग-अलग नीति बनाकर और प्रावधान कर उद्यमियों की राह आसान करने और सफल बनाने में पूरी गंभीरता के साथ प्रयासरत हैं। कम निवेश पर अधिक रोजगार का सृजन, हर हाथ को काम मिले इसी उद्देश्य से प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए इसी साल अप्रैल माह से अलग से 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम विभाग का गठन किया गया है। इसीका परिणाम है कि पिछले वित्त वर्ष में 48 हजार से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उघम पंजीकृत हो चुके हैं। यह गत वर्ष की तुलना में ढाई गुना से अधिक है। इस वित्त वर्ष में छह माह में ही तकरीबन 50 हजार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग स्थापित हुए। प्रदेश अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की स्थापना के मामले में देश में छठवें स्थान पर आ गया है। भारत सरकार के एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की कलस्टर विकास योजना में प्रदेश के 15 औद्योगिक केन्द्र नादनटोला, जग्गाखेड़ी, निमरानी, नौगाँव, लमतरा, प्रतापपुरा, जडेरूआ, अमकुही, नेमावर, भुरकलखांपा, उमरिया-डुगेरिया, रेडीमेड गारमेंट पार्क गदईपुरा, कलस्टर ग्वालियर ऐपेरल, कलस्टर ग्राम विजैपुर इंदौर, फूड कलस्टर ग्राम बड़ौदी शिवपुरी, नमकीन कलस्टर ग्राम करमदी जिला रतलाम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग की स्थापना के लिए 133 करोड़ की परियोजना मंजूर हुई हैं। इनमें से 98 करोड़ 76 लाख के कार्य पूरे हो चुके हैं। विश्व बैंक की ईज आँफ डूइंग बिजनेस स्टडी में वर्ष 2015 की रेकिंग में प्रदेश को 5 वाँ स्थान दिया गया है। ईज आँफ डूइंग बिजनेस में विभिन्न विभाग की 74 अनुमतियाँ/स्वीकृतियों को 'ऑनलाइन' किया गया है।

प्रदेश में तेज औद्योगिक विकास एवं युवा वर्ग को स्वावलम्बी बनाए जाने के मिशन के तहत युवा उद्यमियों के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर प्लान और प्ले सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के लिए इन्क्यूबेशन एवं स्टार्ट-अप पालिसी 2016 लागू की गयी है। पालिसी में इन-?क्यूबेशन की स्थापना के लिए पूँजी अनुदान, संचालन में सहायता, शत-प्रतिशत स्टाम्प और पंजीकरण शुल्क की छूट, इन्क्यूबेटर्स को सलाह के लिए सहायता की प्रतिपूर्ति तथा उनके द्वारा आयोजित स्टार्ट-अप प्रतियोगिता में प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया है। इन्क्यूबेटर्स में संचालित होने वाले उद्यमियों/स्टार्ट-अप के लिए ब्याज अनुदान, लीज रेंट अनुदान, पेटेंट, गुणवत्ता संवर्धन अनुदान एवं स्टार्ट-अप विपणन सहायता आदि का समावेश इस नीति में हैं। सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों द्वारा उत्पादित 7000 से अधिक उत्पाद राज्य सरकार द्वारा खरीदे गये हैं। यह खरीदी 648 करोड़ रुपये की है। राज्य शासन के विभिन्न विभाग और उपक्रमों में उपयोग की जाने वाली 39 ऐसी वस्तुएँ चिन्हांकित की गयी हैं, जो सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों द्वारा उत्पादित की जाती हैं। इन वस्तुओं को एक अक्टूबर, 2015 से लघु उद्योग निगम के माध्यम से खरीदा जाना अनिवार्य किया गया है। इस तरह के 94 उत्पाद की दर अनुबंध ई-पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी है। अभी तक 7,283 प्रदाय आदेश जारी किये जा चुके हैं। सूक्ष्म तथा लघु उद्यमियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की खरीदी के लिये पिछले वित्त वर्ष में 674 करोड़ 14 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 648 करोड़ 23 लाख रुपये का व्यवसाय किया जा चुका है।

राज्य शासन ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों से सामग्री क्रय करने के लिये भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम-2015 बनाया है। इसमें ऐसी वस्तुएँ, जो प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु उद्यम द्वारा उत्पादित की जाती हैं, को क्रय करने को प्राथमिकता दी जाती हैं। शासकीय विभाग में सामग्री खरीदने के लिये %ऑनलाइन% प्रक्रिया शुरू की गयी है। इन वस्तुओं के लिये हर साल दर अनुबंध जारी किये जाते हैं। इसके लिये लघु उद्योग निगम के पोर्टल ढ्ढह्लह्लश्चह्य//द्वश्चश्चह्म्श्चष्द्ध्दद्वद्दठ्ठह्ल.ष्श्चद्व के जरिये निविदाएँ बुलायी जाती हैं। सक्षम इकाई इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकती हैं।

ई-कॉमर्स कम्पनियों के पोर्टल से विपणन : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों के विकास में ई-कॉमर्स के महत्व को स्वीकार करते हुए ई-कॉमर्स कम्पनियों एवं एम.एस.एम.ई इकाइयों के बीच संवाद को बढ़ावा देने की अभिनव पहल की है। लघु उद्योग निगम द्वारा ख्याति प्राप्त ई-कॉमर्स के पोर्टल से मार्केट लिंकेज के माध्यम से विपणन की सुविधा दी जाने की योजना बनायी गयी है। योजना से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम ई-कॉमर्स का उपयोग कर न्यूनतम संगठन एवं पूँजी निवेश के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार के लिये अपने बाजार का विस्तार कर सकेंगे। प्रभावी ई-कॉमर्स सूक्ष्म, लघु, मध्यम इकाई को आगे बढ़ने और उसके उत्पादन की बिक्री के लिये एक साथ बाजार के अनेक स्तर तक पहुँचने में मदद करेगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के लिए मिलेंगी सुविधाएँ और रियायतें : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को अनेक सुविधाएँ और रियायतें दी गई हैं। एम.एस.एम.ई. सेक्टर में ब्याज अनुदान 5 प्रतिशत की दर से अधिकतम वार्षिक राशि रुपये 3 लाख से 5 लाख तक सात वर्ष के लिये मिलेगा। सूक्ष्म और लघु उद्योगों में स्थाई पूँजी निवेश (भूमि और रिहायशी इकाई को छोड़कर) पर 15 प्रतिशत अधिकतम राशि 15 लाख तक निवेश अनुदान और उद्योग स्थापना की तारीख से 5 वर्ष के लिए प्रवेश कर में छूट मिलेगी। मध्यम श्रेणी की इकाई को औद्योगिक परिसर तक बिजली, पानी तथा सड़क विकास में प्रत्येक मद में हुए खर्च का 50 प्रतिशत अधिकतम रुपये एक करोड़ की सहायता मिलेगी।

- पराग वराडपांडे

अगले साल प्रदेश की सभी नदियों को जीवन देने का अभियान चलेगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है नर्मदा सेवा यात्रा अब एक सामाजिक आंदोलन बन चुकी है। नर्मदा सेवा जीवन का मिशन है। यह राजनैतिक कर्मकांड नहीं है। उन्होंने कहा कि नदियों, पर्यावरण और जल को बचाना सरकार और हर नागरिक का कर्त्तव्य है। इस काम में सरकार और समाज दोनों को साथ-साथ चलना होगा।

श्री चौहान ने कहा कि अगले साल से सभी नदियों को बचाने का अभियान चलेगा। यदि समाज नदियों के संरक्षण में जुट जाये तो उत्कृष्ट परिणाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अब सोने का नहीं जागने का समय है। यदि नदियों को बचाने की आत्म-प्रेरणा उत्पन्न हो जाये तो लक्ष्य पूरा होने में समय नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि जो देश पर्यावरण को हानि पहुँचा रहे हैं उनकी आलोचना करने के बजाए अपना नागरिक धर्म निभाने पर ध्यान देना ज्यादा उपयुक्त है। श्री चौहान आज यहाँ प्रशासन अकादमी में नदी, जल और पर्यावरण संरक्षण मंथन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मंथन का आयोजन पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन और जन-अभियान परिषद द्वारा आयोजित किया गया था। इस मंथन में जल-संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में वन मंत्री डॉ गौरीशंकर शेजवार, अपर मुख्य सचिव वन श्री दीपक खांडेकर, नर्मदा मर्मज्ञ श्री अमृतलाल बेगड़ एवं नदी संरक्षण विशेषज्ञ उपस्थित थे। नर्मदा सेवा मिशन के अंतर्गत भविष्य की कार्य-योजना की रूपरेखा बताते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अमरकंटक में 15 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों इसका विमोचन होगा। उन्होंने कहा कि नर्मदा मैया शाश्वत है। उन्हें नुकसान पहुँचाने वालों को दंड मिलेगा। नर्मदा जी को जीवंत अस्तित्व माना गया है। नर्मदा माँ के जीवन के लिये हरियाली बढ़ाने और प्रदूषण रोकने के सभी कार्य किये जायेंगे। दो जुलाई को दोनों तटों पर वृहद वृक्षारोपण होगा। नर्मदा की क्षीण होती धारा को समृद्ध किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अब समाज ने स्वीकार कर लिया है कि जीवन देने वाली नदी का जीवन बचाना जरूरी है। प्राकृतिक संसाधनों का अन्यायपूर्वक दोहन ठीक नहीं है। राज और समाज दोनों को साथ-साथ काम करना पड़ेगा।

हर छोटी नदी को जीवंत बनाने का अभियान चले

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री अनिल माधव दवे ने कहा कि मध्यप्रदेश पूरे देश में नदी एवं जल संरक्षण का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा कि यदि पहाड़ों, जंगल, पर्यावरण को नहीं बचायेंगे तो नर्मदा नदी क्रिकेट का मैदान बन जायेगी। उन्होंने कहा कि नर्मदा के अलावा जीवन में कुछ नहीं है। हर छोटी नदी को जीवंत बनाने का अभियान चलना चाहिए। श्री दवे ने कहा कि जो नदी प्यास बुझाती है वही गंगा है। गाँवों के समीप बहने वाली नदियों, गाँवों के तालाबों, पोखरों को बचाने की जरूरत है। नर्मदा नदी के कछार क्षेत्र को समृद्ध बनाने की जरूरत है। समाज बिना सरकारी सहयोग के भी यह काम आत्म-प्रेरणा से कर सकता है। करीब एक लाख किलोमीटर केचमेंट एरिया में जल स्त्रोतों को जीवन देने का काम आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि नदियों और जल-स्त्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने के लिये प्राकृतिक खेती पर भी ध्यान देना होगा। यदि स्वास्थ्य बचाना है तो रसायन मुक्त खेती जरूरी है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल न्यायिक सदस्य जस्टिस दलीप सिंह ने आशा व्यक्त की कि नर्मदा नदी के प्रति राज्य सरकार और मुख्यमंत्री का जो अनुराग है उससे स्पष्ट है कि नर्मदा सेवा का मिशन वश्य सफल होगा। नीर, नारी और नदी का सम्मान किया मुख्यमंत्री ने

जल पुरुष और मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित श्री राजेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नदियों को बचाने के काम से राज, समाज और संतों को जोड़कर उल्लेखनीय काम किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने नदी और पर्यावरण संरक्षण के वे सब काम अपने हाथ में ले लिये हैं जो संतों द्वारा किये जाते हैं।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
Business Promotion, Lease Website
Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

बहरेपन को दूर रखता है आयरन, जानें कैसे

अगर आपके सुनने की क्षमता कमजोर होती जा रही है, तो इसके लिए आपका खानपान जिम्मेदार हो सकता है. हो सकता है कि आप अपने खाने में पर्याप्त आयरन की मात्रा नहीं ले रहे हैं.

जी हां, एक हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि आयरन की कमी की वजह से व्यक्ति के सुनने की क्षमता कमजोर हो सकती है.

बस दो घूंट में मिलेगी मनचाही सुंदरता

यह अध्ययन पेंसिलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किया है. शोध के दौरान 3 लाख लोगों पर अध्ययन किया गया. विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर 30 फीसदी लोग एनेमिक हैं. यानी विश्व की 30 फीसदी आबादी में खून की कमी है. इसकी प्रमुख वजहों में आयरन की कमी सबसे अहम है.

पर शोध के दौरान विशेषज्ञों ने पाया कि आयरन की कमी का खून की कमी के अलावा बहरेपन से भी संबंध है. आयरन डेफीसिएंसी एनिमिया (ड्ढ्ढ) हमारे सुनने की क्षमता को भी प्रभावित करती है. यानी कि आयरन की कमी से भी बहरेपन की समस्या आ सकती है. इसके साथ ही कान की बीच वाली हड्डी में भी इससे समस्या आ सकती है.

शोध के दौरान ऐसे प्रतिभागियों में सुनने की क्षमता कमजोर पाई गई जिनमें आयरन की कमी थी. जबकि जिन प्रतिभागियों के शरीर में आयरन का स्तर सामान्य था, उनमें बहरेपन का खतरा नहीं देखा गया.

शोधकर्ताओं ने कहा कि आयरन की कमी से होने वाला hearing loss मस्तिष्क को भी प्रभावित कर सकता है. अगर कोई व्यक्ति ज्यादा दिनों तक आयरन की कमी वाली स्थिति में बना रहता है तो उसके सोचने समझने की क्षमता भी इससे प्रभावित हो सकती है. साथ ही वह फैसले लेने में असफल साबित हो सकता है.

आयरन की कमी की वजह से थकान, पीली त्वचा और नाखून, कमजोरी, चक्कर आना, सिर में दर्द आदि जैसी परेशानियां भी होती हैं.

नए अध्ययन के मुताबिक, हरी पत्तेदार सब्जियां , ब्राउन राइस और मीट व्यक्ति को बहरेपन से दूर रखती है.

अब चिकनगुनिया से नहीं होगी मौत, आ गई वैक्सीन

आयरन के लिए इन्हें भी शामिल करें अपनी खुराक में =

1. हरी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है. सर्दियों में आसानी से मिल जाते हैं. इन्हें अपनी खुराक में शामिल करें.
2. रोजाना दाल खाएं. खासतौर से काली दालें या काली मसूर दाल. इनमें भरपूर आयरन और प्रोटीन होता है.
3. ठंड में आप सुबह-सुबह नाश्ते में जई का नाश्ता करें. जई में आयरन और फाइबर होता है.
4. आयरन के लिए टोफू भी खा सकते हैं. इसमें आयरन के साथ-साथ प्रोटीन भी उच्च मात्रा में पाई जाती है.
5. सूखा हुआ जरदालू और बीन्स जैसे कि राजमा, चना आदि में भी भरपूर आयरन होता है. इन्हें खाने में शामिल कर आप आयरन की कमी, खून की कमी और बहरापन तीनों को दूर कर सकते हैं.

नए साल में 'सेहतमंद' रहने के लिए 6 आसान टिप्स

नया साल आ गया और उसकी साथ आ गई खुद को सेहतमंद रखने की चुनौती. हर कोई खुद को नए साल में फिट और फाइन देखना चाहता है. तो बस ध्यान रखें ये 6 बातें...

इम्यूनिटी हो बेहतर : बेहतर सेहत के इम्यूनिटी को बनाए रखना बहुत जरूरी है. ऐसे में रोजाना ऐसी चीजों का सेवन करें जिससे इम्यूनिटी मजबूत हो. अदरक, लहसुन इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं.

चलते रहें : अच्छी सेहत के लिए खाने के साथ जरूरी है कसरत और खुद को एक्टिव रखना. समय निकालकर कसरत करें. अगर वक्त की कमी है तो थोड़ी देर के लिए टहलने जाएं, फायदा होगा.

अच्छी नींद सबसे बेहतर : रोजाना 8 घंटे की नींद बेहद जरूरी है. ये इम्यूनिटी को मजबूत करती है.

तनाव को रखें खुद से दूर : तनाव किसी भी तरह से ठीक नही होता. तनाव से खुद को दूर रखें. परिवार के साथ समय बिताएं. अपनी पसंदीदा चीजों के लिए थोड़ा वक्त जरूर निकालें.

सेहतमंद खाना : सेहतमंद खाना जितना जरूरी है उससे भी ज्यादा जरूरी है उसे सही समय पर खाना. खाना नियमित समय पर ही लें. कभी भी कोई मील स्किप ना करें, कम खाएं और कई बार खाएं.

दिमाग की दुरूस्ती भी जरूरी : सेहत का रिश्ता दिमाग से सीधे तौर से है. दिमाग की कसरत के लिए जरूरी है उसे एक्टिव रखना. इसके लिए अच्छी किताबें पढ़ें या फिर संगीत सुने. किताबें हमेशा कुछ नया सिखाती हैं और दिमाग को एक्टिव रखती हैं.

कंधों में दर्द, कहीं दिल की बीमारी तो नहीं

अगर आपको कंधे में दर्द की शिकायत है तो इसे रोजमर्रा की व्यस्तता के चलते होने वाली आम समस्या समझने की भूल न करें. एक ताजा अध्ययन में पता चला है कि कंधे का दर्द दिल की बीमारी होने के खतरे का संकेत भी हो सकता है.

अमेरिका के यूटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसीन के प्रोफेसर कुर्ट हेगमैनन के अनुसार यदि किसी को कंधे को घुमाने में समस्या है तो यह कुछ दूसरी ही दिक्कत का संकेत है. उन्हें दिल की बीमारी होने के जोखिम कारकों पर नजर रखने की जरूरत है.

माइग्रेन के दर्द से बचना है तो कभी ना खाएं ये 5 फूड

इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 1,226 कुशल श्रमिकों के आंकड़ों का विश्लेषण किया. इसमें प्रतिभागियों में ज्यादातर दिल के रोगों के जोखिम कारक देखे गए जिनमें उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह के लक्षणों वाले लोगों में कंधों से जुड़ी दिक्कतें पाई गई.

घुटनों का दर्द हो जाएगा छूमंतर, आजमाएं ये उपाय

ऐसे प्रतिभागी, जिनमें दिल की बीमारी होने का संकेत देने वाले लक्षण नहीं पाए गए, उनकी तुलना में लक्षणों से युक्त प्रतिभागियों में कंधे का दर्द 4.6 गुना ज्यादा रहा. हेगमैनन ने कहा कि दिल के रोगों से जुड़े कारक नौकरियों के कारण पैदा होने वाली इस तरह की समस्याओं से ज्यादा महत्वपूर्ण थे. यह संभव है कि रक्तचाप और दूसरे दिल के जोखिम कारकों को नियंत्रित कर कंधे की परेशानी को कम किया जा सकता है.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्वति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

जानें, लेफ्टी किन वजहों से होते हैं खास....

हमारी दुनिया में वैसे तो राइट हैंड (दांए हाथ) से काम करने वालों की बहुतायत है. यहां तक कि राइट को सही और लेफ्ट को गलत के अर्थ में भी लिया जाता है. बचपन से ही हमें सिखाया जाता है कि हम राइट हैंड से खाना खाएं उसी हाथ से लिखने की कोशिश भी करें. लेफ्ट हैंड का इस्तेमाल करने वालों का संख्या भी अपेक्षाकृत कम है. दुनिया के 90 प्रतिशत लोग राइट हैंड से ही लिखते हैं. दुनिया के केवल 10 फीसदी लोग लेफ्टी हैं. इसका यह कतई अर्थ नहीं है कि लेफ्ट हैंड का इस्तेमाल करने वाले किसी भी तरह से कमतर होते हैं. हालांकि ऐसी आम मान्यता है कि लेफ्ट हैंड से काम करने वाले असामान्य और कमजोर होते है.

शायद यही वजह है कि पेरेंट्स लेफ्ट हैंड का इस्तेमाल करने वाले स्टूडेंट्स के साथ कई बार रोक-टोक तो कई बार सख्ती भी बरतते हैं. इस बात का दूसरा पहलू भी है. इस बीच कुछ ऐसे रिसर्च और फैक्ट हमारे सामने आए हैं जो पुरानी अवधारणाओं को पूरी तरह ध्वस्त कर देती हैं. ये रिसर्च इस बात की ताकीद करती हैं कि लेफ्ट हैंड का इस्तेमाल करने वाले लोग ज्यादा प्रतिभावान होते हैं. कई दिग्गज भी इस फेहरिस्त में शामिल हैं. जैसे- महात्मा गांधी, बराक ओबामा, अमिताभ बच्चन, बिल गेट्स, रतन टाटा, सौरभ गांगुली, सचिन तेंदुलकर, निकोल किडमैन, एंजेलीना जॉली, करण जौहर. लेकिन क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि इन लेफ्टी सेलिब्रिटीज को भी कई बार कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

तो आइए जानते है लेफ्ट हैंड से जुड़ी कुछ खूबियों और समस्याओं के बारे में...

क्रिकेट से लेकर तमाम दूसरे खेलों में लेफ्टी होने के अपने फायदे हैं. लेफ्ट हैंड का इस्तेमाल करने वाले लोग बॉक्सिंग, टेनिस जैसे खेलों में

ज्यादा अच्छे होते हैं. अब सिंधू को हरा कर रियो ओलंपिक 2016 में गोल्ड मेडल जीतने वाला मरीन को ही देख लें.

लेफ्ट हैंडेड लोगों का आईक्यू लेवल अधिक होता है. न्यूयॉर्क की सेंट लॉरेंस यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के मुताबिक दायें हाथ के लोगों के मुकाबले बायें हाथ वालों का आईक्यू लेवल 140 से अधिक होता है.

लेफ्ट हैंड से काम करने वाले लोग संवेदनशील होते हैं.

जो लोग हमेशा ही लेफ्ट हैंड को उपयोग में लाते हैं उनके हाथों में गजब की तेजी होती है.

लेफ्टी शख्स राइटी शख्स की तुलना में स्ट्रोक जैसी समस्या से जल्दी उबरने की क्षमता रखते हैं.

वे तेजी से बदलती आवाजों को ज्यादा आसानी से सुन सकते हैं.

लेफ्टी पैसा कमाने और खर्च करने के मामले में भी राइट हैडेंड लोगों से आगे रहते हैं.

ऐसा नहीं है कि लेफ्ट हैंड वालों की दुनिया में सब-कुछ अच्छा ही है. वे रोजमर्रा की जिंदगी में कई समस्याओं से भी रूबरू होते हैं. आखिर क्या हैं उनकी समस्याएं...

स्कूल में बनी बेंच-चेयरों पर लिखना मुश्किल होता है क्योंकि ये राइट हैंडड लोगों के हिसाब से बनाये गये होते है.

स्पाइरल बाउंड कॉपियों पर लिखना काफी मुशकिल होता है.

कैंची चलाना मुश्किल भरा होता है.

आमतौर पर ऑफिस में कंप्यूटर का माउस राइट साइड पर ही होता है और लेफ्ट हैंडेड लोगों को इसे हर बार अपने हिसाब से लेफ्ट की ओर करना पड़ता है.

लेफ्ट हेडेंड लोगों के लिए गिटार बजाना आसान नहीं होता.

लेफ्ट हेडेंड लोग किसी और इंसान से हाथ मिलाने से पहले सोच में पड़ जाते है और कई बार तो आदतन लेफ्ट हेंड ही आगे बढ़ा देते हैं.

शॉर्टहैंड जैसे लिपियों को लिखने में परेशानी होती है.

टचस्क्रीन मोबाइल या आईपैड पर टाइप करना आसान नहीं होता.

टिन ओपनर इस्तेमाल करना भी मुश्किल लगता है.

क्रेडिट कार्ड और स्वाइप मशीने लेफ्ट हैंडेड लोगों को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गई हैं.

इंक पेन से लिखना मुश्किल होता है.

परीक्षा देते हुए या कभी साथ बैठकर लिखते हुए बगल वाले से हाथ टकराने की समस्या भी आम है.

लोगों द्वारा हमेशा आश्चर्य से पूछना कि अरे तुम लेफ्टी हो, आपको अलग सा महसूस करवाता है.

किसी के साथ अगल-बगल बैठकर खाना खाते हुए बगल वाले से हाथ टकराने की समस्या आपको और साथ वाले को परेशान करती है.

इंजीनियरिंग छात्रों के लिए अनिवार्य हो सकता है EXIT TEST

जल्द ही इंजीनियरिंग छात्रों को कोर्स खत्म करते वक्त EXIT TEST देना पड़ सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) की अगले हफ्ते होने वाली मीटिंग में इस मुद्दे पर चर्चा होगी. अगर EXIT TEST का फैसला लिया जाता है तो सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थानों के छात्रों को भी टेस्ट देना होगा. सरकार टेस्ट में आए मार्क्स को नौकरी देने वाली एजेंसियों या कंपनियों से भी साझा करेगी. इस टेस्ट का परफॉर्मेंस यह तय करेगा कि छात्र के पास नौकरी मिलने की कितनी योग्यता है. हिन्दुस्तान टाइम्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार इंजीनियरिंग कॉलेजों से निकलने वाले छात्रों की क्वालिटी को लेकर चिंतित है. सरकार को इस बारे में फीडबैक भी मिला है. इसलिए दक्षता परीक्षा के बारे में सरकार विचार कर रही है. करीब 3 हजार टेक्निकल इंस्टीट्यूट से हर साल करीब 7 लाख इंजीनियरिंग छात्र निकलते हैं. फैसला लिया जाता है तो सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थानों के छात्रों को भी टेस्ट देना होगा. सरकार टेस्ट में आए मार्क्स को नौकरी देने वाली एजेंसियों या कंपनियों से भी साझा करेगी. इस टेस्ट का परफॉर्मेंस यह तय करेगा कि छात्र के पास नौकरी मिलने की कितनी योग्यता है. हिन्दुस्तान टाइम्स में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार इंजीनियरिंग कॉलेजों से निकलने वाले छात्रों की क्वालिटी को लेकर चिंतित है. सरकार को इस बारे में फीडबैक भी मिला है. इसलिए दक्षता परीक्षा के बारे में सरकार विचार कर रही है. करीब 3 हजार टेक्निकल इंस्टीट्यूट से हर साल करीब 7 लाख इंजीनियरिंग छात्र निकलते हैं.

आंकड़ों के मुताबिक, सिर्फ 20 से 30 फीसदी पास आउट छात्रों को ही अच्छी नौकरी मिल पाती है. मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, सरकार थ्योरी ही नहीं, बल्कि एप्टीट्यूड, स्किल्स और क्रिटिकल थिंकिंग को टेस्ट में शामिल करना चाहती है.

इससे इंस्टीट्यूट के टीचिंग स्टैंडर्ड का भी पता चलेगा. रिपोर्ट के मुताबिक, एक कमिटी ने सरकार को सिफारिश की है कि सभी इंजीनियरिंग छात्रों के लिए जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) अनिवार्य कर दिया जाए. आमतौर पर एमटेक में एडमिशन के लिए छात्र गेट में शामिल होते हैं.

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

SUKHWANT SINGH CLASSES
(RUN BY SUKHWANT SIR EX FACULTY SUPER-30 PATNA GROUP)
TEACHING SINCE 1984
Exclusively for CBSE/ISC
XI, XII-IIT
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Focused & Comprehensive Study Material
● Maths & Physics by Sukhwant Sir
● Chemistry by eminent faculty
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
● Morning Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● New Evening Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● 11th Cum IIT/AIIMS 10th April
● Weekend Morning Batch for 12th Board 3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9479955649, 9424312779

भिक्षु बनने से पहले कौन थे गौतम बुद्ध के शिष्य 'आनंद'

बुद्ध धर्म के संस्थापक भगवान गौतम बुद्ध जिस समय जन्में उस समय बड़े भाई का कहना हर हाल में मानना पड़ता था। यह बहुत ही रोचक है कि आनंद, गौतम के शिष्य थे लेकिन भिक्षु बनने से पहले वह गौतम बुद्ध के बड़े भाई थे। भिक्षु बनने से पहले उन्होंने एक शर्त रखी, 'देखो, मैं अब तुम्हारा शिष्य बनने जा रहा हूं।

एक बार शिष्य बनने के बाद मुझे तुम्हारी हर बात माननी होगी, लेकिन फिलहाल मैं तुम्हारा बड़ा भाई हूं और तुम्हें मेरी बात माननी होगी।

तो शर्त सिर्फ इतनी है कि चाहे जो भी हो जाए, हम जीवनभर साथ रहेंगे। चाहे कुछ भी हो, तुम मुझे कहीं नहीं भेज सकते। तुम जहां भी रहोगे, मैं शारीरिक रूप से हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा।'

गौतम तब तक एक महान गुरु नहीं बने थे, वह किसी हद तक एक साधक ही थे लेकिन उन्हें ज्ञान प्राप्त हो चुका था। इसलिए आनंद ने पहले ही शर्त रख दी, 'चाहे जो भी हो जाए, शरीर से मैं हमेशा आपके साथ ही रहूंगा।'

गौतम ने उनसे कहा, यह आपके लिए अच्छा नहीं है, लेकिन आप बड़े भाई हैं, इसलिए मैं आपकी बात को मना नहीं कर सकता। अगर आप आग्रह करेंगे, तो मुझे मानना पड़ेगा। आनंद बोले, हां, यह मेरा आग्रह है।

इसके बाद आनंद, गौतम के ही कमरे में सोते और हमेशा उनके साथ मौजूद होते।

जब गौतम बुद्ध का आखिरी वक्त यानी महाप्रयाण का समय आया तो काफी बाद में आने वाले लोगों ने वहां रोशनी देखी। उन लोगों ने आनंद की ओर देखकर पूछा, 'ऐसा क्यों हुआ।' वह तो पहले दिन से बुद्ध के साथ थे, मगर उन्हें कुछ पता क्यों नहीं चला?

फिर उन लोगों ने गौतम से पूछा, 'क्यों वह आखिरी दिन तक अज्ञानी रहे? उनके साथ ऐसा क्यों हुआ? वह हर समय आपके साथ रहे, क्या आपके साथ रहकर कोई लाभ नहीं हुआ?

तब गौतम बुद्ध ने कहा 'चम्मच कभी सूप का स्वाद नहीं चख सकता। चम्मच हमेशा सूप में रहता है, मगर क्या वह सूप का स्वाद चख सकता है?

पूर्व निर्धारित था महाभारत युद्ध, यह थी वजह

द्वापरयुग की है, जब महाभारत का युद्ध शुरु होने वाला था। और युद्ध को टालने के लिए सारी तैयारियां की जा रहीं थीं। कौरवों की मां गांधारी और पांडवों की मां कुंती नहीं चाहती थीं युद्ध हो इसलिए वह जंगल में मौजूद एक शिव मंदिर में राजोपचार विधि से पूजा कर रही थीं। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए। उन्होंने कहा, मैं राज्य और मोक्ष का वर देता हूं। यह वर आप दोनों आपस में बांट लीजिए। तब गांधारी ने कहा, मैं अपने पुत्रों के लिए मोक्ष लेकर क्या करूंगी। मेरे पास सब कुछ है। गांधारी ने शिव से कहा, 'मोक्ष आप कुंती और उनके पुत्रों को ही दे दीजिए।' लेकिन कुंती नहीं मानीं उन्होंने कहा थोड़ा राज्य मेरे पुत्रों को भी मिलना चाहिए। इस तरह दोनों में विवाद हो गया। जब महादेव को लगा कि इस विवाद का कोई परिणाम नहीं निकलने वाला तो उन्होंने गांधारी एवं द्रोपदी के सामने एक शर्त रखी। जब तुम दोनों ही मानने को तैयार नहीं हो तो अब वरदान सशर्त कर देता हूं। यानी कल आप दोनों में से कोई भी सूर्य उदय से पहले हाथी पर बैठ कर एक हजार स्वर्ण कमलों से मेरा अभिषेक करेगी तो उनके पुत्रों को राज्य और मोक्ष मिलेगा। इस तरह गांधारी ने दुर्योधन को ये आप-बीती सुनाई तो वहीं कुंती ने अर्जुन को यह बात बताई। अर्जुन ने पांचों पांडवों को यह बात बताई और उन्होंने ऐरावत हाथी और कुबेर से स्वर्ण मुद्राओं का प्रबंध कर लिया।

ये हैं कलियुग की 5 सच्चाई, जिन्हें जानना है जरूरी

वह द्वापरयुग का समय था। एक बार पांचों पांडव श्रीकृष्ण से मिलने पहुंचे। तब पांडवों के बड़े भाई युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण से पूछा, 'द्वापर युग के बाद, कलयुग आएगा। इस समय पृथ्वी पर क्या होगा? और वो कैसे मोक्ष पा सकेगा?

श्रीकृष्ण बोले, तुम पांचों पहले जंगल में जाओ, और वहां जो कुछ भी दिखाई दे मुझे आकर बताओ। कान्हा की बात मानकर पांचों पांडव जंगल की ओर चले गए।

जंगल में युधिष्ठिर ने देखा कि एक हाथी की दो सूंड हैं। अर्जुन दूसरी दिशा में थे। उन्होंने देखा एक पक्षी वहां उड़ रहा था, जिसके पंखों पर वेदों की ऋचाएं लिखी हुई थीं। लेकिन वह पक्षी शव को नोच-नोच कर खा रहा था।

भीम इन दोनों से अलग अन्य दिशा में घूम रहे थे। उन्होंने देखा कि, 'एक गाय ने अपने बछड़े को जन्म दिया था। वह अपने बछड़े को इस तरह चाट रही थी कि वह लहुलुहान हो रहा था।

सहदेव ने जंगल में 7 कुए देखे, जिनमें पानी नहीं था और नकुल ने देखा एक भारी पत्थर का टुकड़ा पहाड़ से गिरता हुआ आ रहा था। उसे बड़े-बड़े वृक्ष न रोक सके। लेकिन एक छोटे से पौधे के पास आकर वह रुक जाती है।

दिन ढलने वाला था। पांचों भाई जंगल से लौट आए। सूर्य डूबने के बाद वह श्रीकृष्ण से मिले। सभी ने एक-एक कर अपनी आप-बीती सुनाई। युधिष्ठिर द्वारा बताए गए घटनाक्रम का उत्तर देते हुए कृष्ण बोले, 'कलियुग में ऐसे लोगों का राज होगा जो दोनों ओर से शोषण करेंगे। यानि बोलेंगे कुछ, करेंगे कुछ। अर्जुन का उत्तर देते हुए द्वारिकाधीश ने कहा, 'कलियुग में ऐसे लोग रहेंगे जो बड़े- बड़े पंडित और विद्वान कहलायेंगे किन्तु वे यही देखते रहेंगे कि कौन-सा मनुष्य मरे और हमारे नाम से संपत्ति कर जाये।'

अब श्रीकृष्ण थोड़ा रुके और भीम के प्रश्न का उत्तर देते हुए बोले, 'कलियुग का आदमी शिशुपाल की तरह होगा। बच्चों के लिए मनुष्य इतनी ममता करेगा कि उन्हें अपने विकास का अवसर ही नहीं मिलेगा। सहदेव, द्वारिकाधीश के सामने नमस्कार की मुद्रा में खड़े हुए थे। उनकी बात सुन लेने के बाद कृष्ण ने कहा, 'कलियुग में धनाढय लोग लड़के-लड़की के विवाह में, मकान के उत्सव में, छोटे-बड़े उत्सवों में तो धन खर्च कर देंगे परन्तु पड़ोस में ही यदि कोई भूखा प्यासा होगा तो यह नहीं देखेंगे। मौज-मौज में, मदिरा और भोग-विलास में जिंदगी गुजारेंगे। इस तरह नकुल के वर्णन कर देने के बाद वह बोले, कलियुग में मानव का मन नीचे गिरेगा, उसका जीवन पतित होगा। यह पतित जीवन धन की शिलाओं से नहीं रुकेगा न ही सत्ता के वृक्षों से रूकेगा। किन्तु हरिनाम के एक छोटे से पौधे से, मनुष्य जीवन का पतन होना रुक जायेगा।

ऐसे कीजिए प्रार्थना ईश्वर जल्द सुनेंगे

हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

संसार में ऐसा कोई भी मनुष्य प्राणी नहीं होगा जो प्रार्थना न करता हो। अमीर, गरीब, छोटे, बड़े जो भी हैं, वे सभी प्रार्थना अवश्य करते हैं, मगर हममें से अधिकांश लोग दु:ख की घड़ी में प्रार्थना ज्यादा करते हैं, इसलिए ही तो संत कबीर जी ने यह कहा है कि...

दु:ख में सुमिरन सब करे, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे दु:ख काहे को होय॥

वास्तव में देखा जाए तो ऐसा ही है, क्योंकि जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

अनुभव के आधार परऐसा अनेक बार देखा गया है कि सच्चे हृदय से यदि भगवान की प्रार्थना की जाती है तो अपना इच्छित मनोरथ व कार्य जरूर पूरा होता है। इसके पीछे का अध्यात्मिक रहस्य यह है कि प्रार्थना करने वाले को यह विश्वास रहता है कि परमात्मा ऐसा शक्तिशाली है कि वह आसानी से मेरी इच्छा को पूरा करेंगे ही। इसके साथ-साथ वह यह भी सोचता है कि मैं अपने अन्तःकरण का श्रेष्ठतम भाग, श्रद्धा, विश्वास, परमात्मा पर आरोपण करते हुए सच्चे हृदय से प्रार्थना कर रहा हूं।

इसलिए मेरी पुकार सुनी जाएगी। मनोचिकित्सकों के अनुसार कोई भी मनुष्य जब अपनी मानसिक स्थिति ऐसी बना ले कि मेरा मनोरथ सफल होने की पूरी आशा, पूरी संभावना है ही, तो अधिक मौकों पर उसके मनोरथ पूरे हो ही जाते हैं, क्योंकि आशा और संभावनामयी मनोदशा के कारण मनुष्य की शारीरिक और मानसिक शक्तियां असाधारण रूप से जाग उठती हैं जिसके फलस्वरूप सफलता का मार्ग बहुत आसान बनता जाता है और प्रायः वह प्राप्त भी हो जाता है। परमात्मा की दृष्टि में सभी प्राणी एक समान हैं, अतः वे समदर्शी कहलाते हैं। किंतु उस समदर्शी को भी विवश होकर एक बार यह कहना पड़ा कि 'समदर्शी मोहि कह सबकोऊ। सेवक प्रिय अनन्य गति सोऊ॥'

अर्थात सभी मुझे समदर्शी कहते हैं, पर मुझे सेवक प्रिय हैं, क्योंकि वह अनन्य गति होता है। इसी प्रकार से विष्णु चतुर्भुज की प्रार्थना में जब भक्तयह कहते हैं कि 'अविनयमपनय विष्णो दमयमनःशमय विषयमृगतृष्णा्। भूतदयां विस्तारयतारय संसारसागरतः।।

तब उनकी यह प्रार्थना में कितनी श्रद्धा, विश्वास एवं नम्रता दिखती हैं। अब ऐसा कौन मनुष्य होगा जो इस नम्रता परन पिघल उठे? यह तो फिर उस महान विभूति के लिये प्रयुक्त है जो अपनी दयालुता के लिए दया सागर के नाम से विख्यात हैं।

इस प्रार्थना के बाद क्या कोई चिन्ता, दु:ख द्वेषादि टिक सकते हैं? बिलकुल नहीं! गीता में प्रभु स्वयंजब यह गारंटी देते हैं कि जो मनुष्य एकमात्र मुझे लक्ष्य मान कर अनन्य-भाव से मेरा ही स्मरण करते हुए कर्तव्य-कर्म द्वारा पूजा करते हैं, जो सदैव निरन्तर मेरी भक्ति में लीनरहता है उस मनुष्य की सभी आवश्यकता और सुरक्षा की जिम्मेदारी मैं स्वयं निभाता हूं,तो फिर उसे न मानने की कोई गुंजाइश नहीं रहती। परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें: यहां वहां हाथ फैलाने से बेहतर हैं की हम उस एक परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें और अपनी हर समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए केवल उस एक सर्व शक्तिमान के सामने अपना माथा टेकें। सच्चे हृदय से यदि ईश्वर की प्रार्थना की जाएतो भक्तों की हर इच्छा व मनोरथ वह जरूर पूरी करते हैं।

महाभारत युद्ध से पहले जब हुआ पांडवों के सेनापति का चुनाव

युग यानी महाभारत युद्ध का समय उन दिनों एक प्रथा थी, 'कोई भी काम शुरू करने से पहले छोटों की राय ली जाती थी।' ऐसा करने से छोटे भाईयों, कर्मचारियों का आत्मविश्वास बढ़ता था। जब राय ली जाती तो हानि-लाभ होने पर छोटे भाई और कर्मचारी कुछ बोल भी नहीं पाते थे। ऐसे में बड़ों का सम्मान बना रहता था।

महाभारत युद्ध की शुरुआत होने वाली थी। युधिष्ठिर अपने भाईयों से बोले, अब शांति की आशा नहीं रही। सेना सुसज्जित करो। युद्ध की तैयारी करो।

इस तरह पांडवों की सेना को सात हिस्सों में बांट दिया गया। द्रुपद, विराट धृष्टद्युम्न, शिखंडी, सात्यकि, चेकितान, भीमसेन आदि सात महारथी इन सात दलों के नायक बनें। प्रश्न यह था सेना का सेनापति किसे बनाया जाए? सभी से राय ली गई।

युधिष्ठिर ने सबसे पहले सहदेव से पूछा सहदेव बोले, अज्ञातवास के समय हमने जिनके यहां आश्रय लिया था, जिनकी छत्रछाया में सुरक्षित रहते हुए हम अपना खोया हुआ राज्य फिर से हासिल कर सके हैं। वह विराटराज हमारे सेनापति बनने योग्य हैं।

धर्मराज युधिष्ठिर ने फिर नकुल से पूछा तो नकुल ने कहा, मेरी नजर में पांचाल नरेश द्रुपद श्रेष्ठ हैं वह बुद्धिमानी में, वीरता में, बल विद्या में सर्वश्रेष्ठ हैं। वह हमारे सेना में सेनापति की भूमिका में बेहतर रहेगें। वह भीष्म पितामाह से युद्ध करने के भी योग्य हैं।

अर्जुन ने कहा, जो जितेंद्रिय हैं, द्रोण का वध जिनका एकमात्र लक्ष्य है। इसलिए धृष्टद्युम्न ही हमारे सेनापति बनें। भीम ने कहा, शिखंडी का जन्म ही भीष्म के प्राण लेने के लिए हुआ है। इसलिए में इनका नाम प्रस्तावित करता हूं। अंत में युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा, आप क्या कहते हैं वासुदेव। तब श्रीकृष्ण बोले, हम सभी ने जिन वीरों के नाम का प्रस्ताव दिया वह सभी सेनापति बनने योग्य हैं। लेकिन मुझे अर्जुन की राय ज्यादा बेहतर लगी। हमें धृष्टद्युम्न जी को संसार के इस यादगार महाभारत युद्ध के लिए पांडवों की सेना का सेनापति बनाना चाहिए। इस तरह सभी ने धृष्टद्युम्न को सेनापति के पद के लिए चुना गया।

गुजरात को लगातार झटके, पंजाब जीत की राह पर, स्कोर 121/6

राजकोट। गुजरात लॉयंस को एक और झटका लगा, जब रवींद्र जडेजा (9 रन) को केसी करिअप्पा ने अपनी ही हेंद पर लपक लिया. हरफनमौला जडेजा इस आईपीएल में अपना कमाल नहीं दिखा पाए हैं. ड्वेन स्मिथ (4 रन) भी चलते बने. अक्षर पटेल ने यह विकेट हासिल किया. गुजरात को 102 के स्कोर पर छठा झटका लगा. इसी स्कोर पर अक्शदीप नाथ (0) का भी विकेट गिरा. उन्हें करिअप्पा ने एलबीडब्ल्यू किया. दिनेश कार्तिक 40 और एंड्र्यू टाय 15 रन बनाकर खेल रहे हैं. 15 ओवर में गुजरात का स्कोर 121/6 है.

शुरुआती झटके से नहीं उबरा गुजरात : गुजरात की ओर से ब्रेंडन मैक्कुल और एरोन फिंच ने पारी की शुरुआत की. लेकिन पहले ही ओवर में संदीप शर्मा ने मैक्कुलम (6 रन) को एलबीडबल्यू कर दिया. सुरैश रैना के साथ फिंच बड़ी साझेदारी नहीं कर पाए. 46 के स्कोर पर गुजरात का दूसरा विकेट गिरा. फिंच (11 रन) को मोहित शर्मा ने स्टोइनिस के हाथों कैच करवाया. बढ़ते दबाव के बीच 70 के स्कोर पर गुजरात को तीसरा झटका लगा. कप्तान सुरेश रैना (32 रन) को अक्षर पटेल ने पैवेलियन की राह दिखाई. दूसरे कप्तान मैक्सवेल ने उनका कैच पकड़ा. रैना ने अपनी पारी में 24 गेंदें खेलीं.

पंजाब ने दिया 189 रनों का टारगेट : किंग्स इलेवन पंजाब ने गुजरात लॉयंस को 189 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया है. पंजाब ने हाशिम अमला के अर्धशतक के अलावा अक्षर पटेल, ग्लेन मैक्सवेल और शॉन मार्श की उपयोगी पारियों की बदौलत 188/7 का स्कोर खड़ा किया. गुजरात की ओर से एंड्रयू टाय ने 2 विकेट निकले. ऋद्धिमान साहा और मोहित शर्मा (नाबाद 4 रन) ने आखिरी ओवर में 12 रन जोड़े. पारी की अंतिम गेंद पर साहा (10 रन) रन आउट हो गए. इससे पहले स्लॉग ओवर्स में तेज खेल रहे अक्षर पटेल (34 रन) को ड्वेन स्मिथ ने पैवेलियन लौटाया. 174 के स्कोर पर छठा विकेट गिरा. जबकि 157 के स्कोर पर पंजाब का पांचवां विकेट गिरा. जब मार्कस स्टोइनिस (7 रन) एंड्रूय टाय को विकेट दे गए.

अमला ने तीसरा अर्धशतक जमाया : तेजी दिखा रहे शॉन मार्श (30 रन) को एंड्रूय टाय ने वापस भेजा. रैना ने उन्हें कैच किया. पंजाब को 81 के स्कोर पर दूसरा झटका लगा.अमला (65 रन) ने 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. इस आईपीएल में नीतीश राणा, एम. हेनरिक्स के बाद तीन अर्धशतक जमाने वाले अमला तीसरे बल्लेबाज बने. उन्हें शुभम अग्रवाल ने अपनी ही गेंद पर लपक लिया. 128 के स्कोर पर पंजाब का तीसरा विकेट गिरा. चार रन बाद ही कप्तान ग्लेन मैक्सवेल (31 रन) को रवींद्र जडेजा ने एलबीडब्ल्यू कर दिया. उन्होंने 18 गेंदों की पारी में तीन छक्के लगाए.

दूसरे ही ओवर में पंजाब को झटका : इलेवन पंजाब की ओर से पिछले मैच के शतकवीर हाशिम अमला और मनन वोहरा ने पारी की शुरुआत की. पहले ओवर में दोनों ने 11 रन जोड़े. गुजरात की ओर से लेग स्पिनर शुभम अग्रवाल ने पहला ओवर फेंका. लेकिन दूसरे ही ओवर में नाथू सिंह ने पंजाब को पहला झटका दिया. वोहरा (2 रन) विकेट के पीछे लपके गए.दिनेश कार्तिक ने शानदार कैच लपका.इसके साथ ही वे आईपीएल में 100 शिकार करने वाले पहले विकेटकीपर बने .तीसरा ओवर स्वयं कप्तान सुरेश रैना ने फेंका. अमला ने छठे ओवर में एंड्र्यू टाय को मैच का पहला छक्का लगाया. शॉन मार्श ने भी आठवें ओवर में अपना पहला छक्का जड़ा.

टॉस जीतकर गुजरात ने गेंदबाजी ली : होम ग्राउंड सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम राजकोट में गुजरात लॉयंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया. गुजरात की टीम में अस्वस्थ ईशान किशान की जगह लेग स्पिनर ऑलराउंडर शुभम अग्रवाल को लाया गया. पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करनी वाली गुजरात की टीम उत्साहित है. हालांकि अंक तालिका में अब भी सबसे नीचे हैं. जबकि किंग्स पंजाब की टीम लगातार चार मुकाबले हार चुकी है, वह छठे स्थान पर है.

इंडिया ओपनः कोरिया की सुंग जी ह्यून को हराकर फाइनल में पहुंची सिंधु

नई दिल्ली। रियो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट पी. वी. सिंधु ने इंडिया ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नमेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल में सिंधु ने कोरिया की सुंग जी ह्यून को हराया। उन्होंने सुंग जी ह्यून को 21-18, 14-21, 21-14 हराकर यह मैच अपने नाम किया। यह पहला मौका है जब पीवी सिंधु ने इस टूर्नमेंट के फाइनल में अपनी जगह बनाई है। अब फाइनल में सिंधु का मुकाबला स्पेन की कैरोलिना मारिन से होगा। सिंधु ने मैच के पहले ही गेम से अपना दबदबा बरकरार रखा और 24 मिनट तक चले पहले गेम में वह 21-18 से जीतीं। पहले गेम की शुरुआत के पहले तीन पॉइंट तक सिंधु लीड बना रही थीं, इसके बाद सुंग जी ह्यून ने 6 पॉइंट तक सिंधु पर लीड बनाकर रखी। इसके बाद 7-7 से स्कोर बराबर करने के बाद सिंधु ने ह्यून पर बढ़त बनाई और फिर उन्हें अपने से आगे निकलने का मौका नहीं दिया। दोनों खिलाड़ियों के पॉइंट का अंतर करीब ही था, लेकिन सिंधु ने अंत में 21- 18 से यह गेम अपने नाम किया। करीब 24 मिनट तक चले दूसरे गेम की शुरुआत में ह्यून ने अपनी वापसी के इरादे साफ कर दिए। दूसरे गेम में 5-5 पॉइंट तक तो दोनों खिलाड़ी बराबर ही थे, लेकिन इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने सिंधु पर बढ़त हासिल करनी शुरू की। एक बार ह्यून ने लीड बनाई तो उन्होंने लीड का अंतर 8-14 कर दिया। 10-15 के स्कोर के समय ह्यून सिंधु से 5 पॉइंट आगे थीं। अंत में 14-21 से सिंधु को यह गेम गंवाना पड़ा। तीसरे गेम में सिंधु ने एक बार फिर आक्रामक शुरुआत की और ह्यून पर 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। तीसरे और फाइनल गेम में सिंधु एक के बाद एक अंक लेती ही जा रही थीं और उन्होंने इस गेम में अपनी बढ़त को 8-2 तक पहुंचा दिया। इसके बाद ह्यून ने लगातार दो अंक लेकर लीड को कुछ कम कर स्कोर को 8-4 तक पहुंचाया। तीसरे गेम में ब्रेक के वक्त सिंधु ह्यून पर 7 अंक (11-4) की बढ़त हासिल कर चुकी थीं। हालांकि इस ब्रेक के बाद 7 अंक से पिछड़ चुकी ह्यून ने खेल से अपना फोकस नहीं गंवाया और वापसी की शानदार कोशिश की। तीसरे गेम में सिंधु से पिछड़ चुकी ह्यून ने लीड के अंतर को महज दो अंक पर ला दिया और स्कोर 12-10 कर दिया। सिंधु यहां से फिर लय में लौटीं और उन्होंने 17-11 स्कोर कर एक बाद फिर अपनी प्रतिद्वंद्वी ह्यून पर 6 अकों की बढ़त बनाई। इसके बाद सिंधु ने 21-14 से यह गेम और मैच अपने नाम कर लिया। अब फाइनल में सिंधु का मुकाबला अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी स्पेन की कैरोलिना मारिन से होगा। इस फाइनल मुकाबले में सिंधु मारिन को हराकर अपनी रियो ओलिंपिक में मिली हार का बदला चुकाना चाहेंगी। रियो ओलिंपिक में फाइनल में कैरोलिना मारिन से मिली हार के कारण उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)